

राज

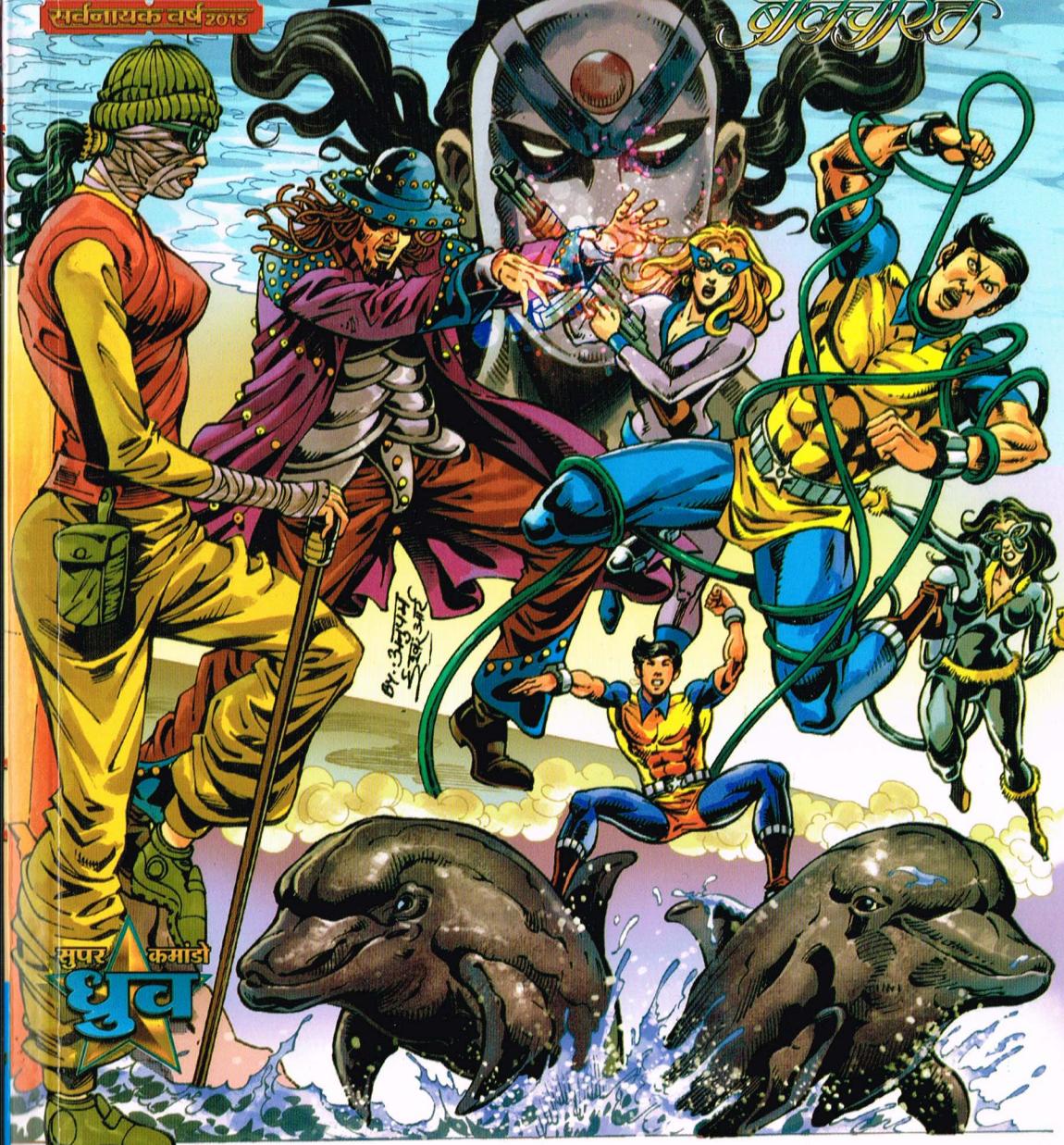
कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 90.00 संख्या 2583

साईनायक वर्ष 2015

पर्लैंसाबैक

ब्रह्मरित



सुपर कमांडो
ध्रुव



azamworld.blogspot.com persent's



- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ण
- स्वर्ण की तावाई
- मौत का ओलिप्पिक
- समृद्ध का शैतान
- बफ की चिंता
- रुद्धी का शिकंजा
- लहू के घासे
- महामानव
- दू-इू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नततरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैथियन किलर
- आखिरी दंवं
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- गैंड मास्टर रोबो
- आवाज की तावाई
- नागराज और बुगाकू
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुबा का चक्रवूह
- बीड़ियो खिलौने
- पांचल कातिलों की दोली
- लैपै
- रोबो का प्रतिशोध
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- दलदल
- उड़ती मौत
- वैष्णवर
- सुप्रीमा
- चण्डगल की वापसी
- मैने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सरक्स
- हवारी राशिया
- मौत के चेहरे
- कमोंडर नताशा
- राजनार गरी की तावाई
- सजाए मौत
- अधी भौत
- घड़वंत्र
- महाकाल
- प्रलय
- विनाश
- खूनी खानदान
- अतीत
- जिम्सा
- तानशाह
- धूप-शनित
- दंग

झरी सैट के कॉमिक्स

- | | |
|--|---|
| <ul style="list-style-type: none"> ■ पैलैशैक (बालचरित) (जुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक) (भूल्य : 50/-) ■ मौत का मैराथन (सर्वनायक विस्तार) (मल्टीस्टरर विशेषांक) (भूल्य : 60/-) ■ अनोखा चोर (चॉकेलाल का दास्य कॉमिक्स) (भूल्य : 40/-) ■ डोगा 13 (दिनायक 02) (दोगा और स्टील का दूसरा वन अड्जेट) (भूल्य : 160/-) | <ul style="list-style-type: none"> ■ सर्वमंथन (सर्वनायक श्रृंखला) (मल्टीस्टरर विशेषांक) ■ आखिरी रक्षक (आखिरी) (मल्टीस्टरर कॉमिक्स) ■ डोगा निर्मलक (डोगा उन्मूलन) (डोगा) ■ डोगा 18 (दिनायक 03) (डोगा और कोकी डिया (सर्वावान डोगा, कोकी वन डाइजेस्ट)) (डोगा दूसरा वन डाइजेस्ट) ■ सुपर कमांडो ध्रुव 11 (सुपर कमांडो ध्रुव का थी इन वन डाइजेस्ट) |
|--|---|

- दुश्मन
- कलियुग
- निशाचर
- विवज मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- कोहराम
- बीना वापन
- कालध्यनि
- शह और मात
- आया चुम्बा
- चुम्बा स्प्राइट
- जलजला
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- संग्राम
- शीतान
- ध्रुव ख्याल
- विध्वंस
- प्रकाले
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मैट्यूरा
- ड्रैकुला का हमला
- ड्रैकुला का अंत
- कोलाहल
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबॉट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सप्राइट
- सौडांगी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिस्ता
- रोबिन हुड
- चैलेंज
- चक्र
- मैं समय हूं
- भ्राता
- मैच
- वर्तमान
- पलेंगिना
- गुरु
- वरण काण्ड
- ग्रेट्रन काण्ड
- हरण काण्ड
- शशांक काण्ड
- रण काण्ड
- रण काण्ड
- राजनगर रक्षक
- ध्रुव डाइजेस्ट 1
- (प्रतिशोध की ज्वाला, रोमन बत्त्यारा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 2
- (जादमोरी का स्वर्ण, स्वर्ण की तावाई, मौत का जोलायिक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 3
- (समुद्र का शैतान, बर्फ की चिकनी, रुद्धी के शिकंजा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 4
- (तह के घासे, महामानव, दू-इू)
- ध्रुव डाइजेस्ट 5
- (मुझे गौत माहिं, बहरी गौत, उड़नवर्ती के बधक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 6
- (एक दिन की गौत, विनाश के दृश्य)
- ध्रुव डाइजेस्ट 7
- (विषयवाचिक, आखिरी ध्रुव, गौठों के लिजेन)
- ध्रुव डाइजेस्ट 8
- (पाना कातिलों की टोली, लैपै कैट, रोबो का प्रतिशोध, दबलल, उड़ती गौत, बंधकाल की वापसी)

अब घर बैठे पाइए अपनी पसंदीदा कॉमिक्स! हमारी वेबसाइट www.rajcomics.com पर लोग ऑन कीजिए और पाइए हमारी कॉमिक्स का विशेष कोलेक्शन। और साथ में आपको मिलेगा आकर्षक डिस्काउंट और फ्री गिफ्ट्स। आप केडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट ब्रैंकिंग, डिमांड ड्रैप्रैट और मॉनी ऑर्डर बारा मुनाफा कर सकते हैं! सभी ऑर्डर्स 24 घंटों के अंदर भेज दिए जाते हैं। यह सेवा देश-विदेश के हर कोने पर उपलब्ध है! किसी भी सदस्यता के लिए 7838383660 पर कॉल करें या sales@rajcomics.com पर ईमेल करें।



कम्पयुटर प्रोफेशनल्स

ब्रह्मद्वारा

शक्तिशक्ति

राजकामिला ही ऐरा जनता

कथा एवं चित्र

स्याहीकार

रंगशाज्जा

शब्दांकन

संपादन

अनुप्रकृति

विनोद कुमार

शादाब, बसंत

मंदार गंगेले

मनीष गुप्ता



“वह ध्रुव को बच्चा और नादान समझ कर खुद नादानी कर जाता है और आपने चिथड़े डडवा बैठता है। तीरारी और उसकी आखिरी चूका!”

“ध्रुव के हाथों उसका लैपटॉप लग जाता है। जिसे वह, आपने कमांडो सेंटर ले जाता है। यहां चौथी चूक किरणत तब करती है जब लैपटॉप खोलने से धमाका तो होता है पर ध्रुव वहां पर नहीं होता।”

“हम गिलीगिली को वह कंटेनर हाशिल करने के लिए कराची मिशन से वापस बुलाते हैं, जो वापता जैकब ने मॉरीशस से ध्रुव को भ्रेजा है।”



“पांचवीं चूक गिलीगिली द्वारा हडबड़ी में यह योजना बनाता था कि वह ध्रुव बनकर शिप-यार्ड जाएगा और वहां का क्लर्क तोते की तरह उसे कंटेनर का पता बता देशा।”

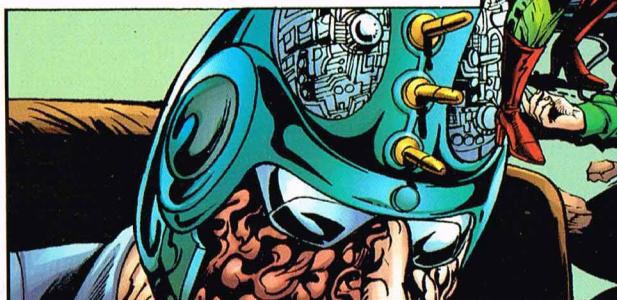
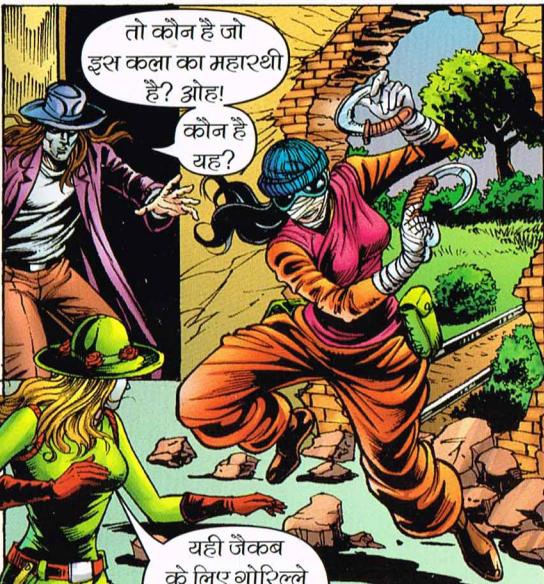
“छठी और आखिरी चूक! उस मूर्ख गिलीगिली को यह खायाल ही नहीं आया कि सामने वाला चाल चलने में उसका भी बाप है। वह क्लर्क नहीं, ध्रुव निकला।”





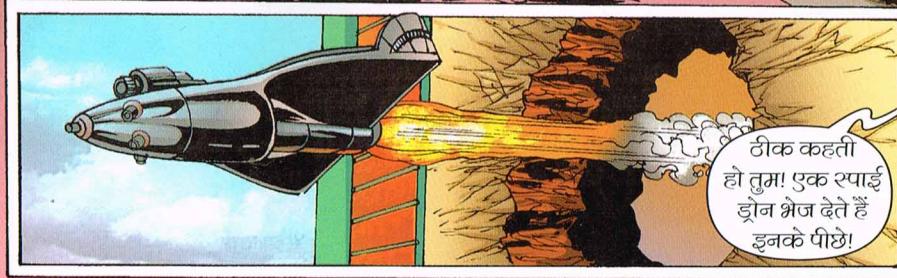


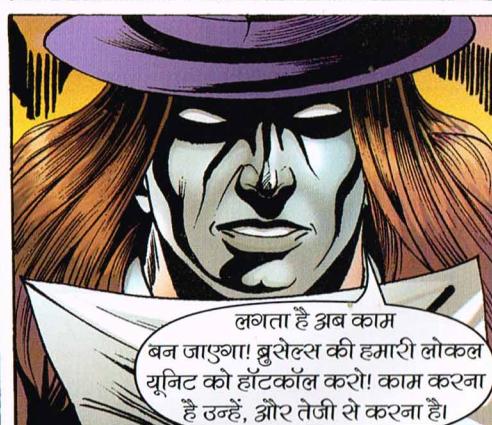
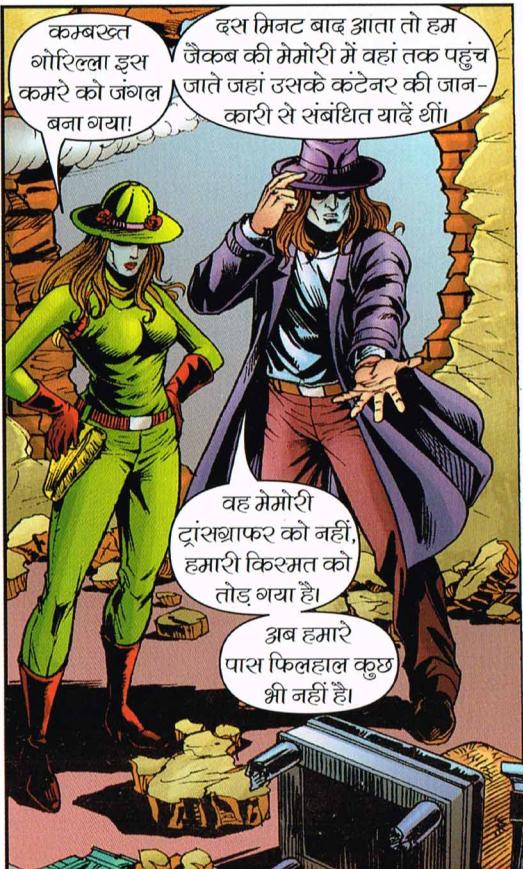












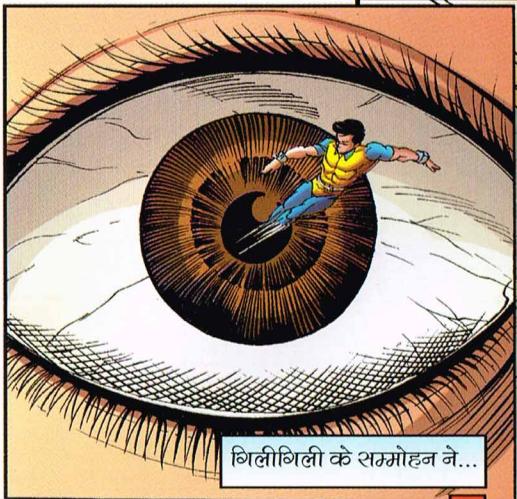
“आब वह कंटेनर श्री हमारा होगा और उसमें रखा सारा सामाज शी धूव और दुश्मनों के हाथ आएगी खाली हवा।”



कंटेनर तो अभी तक यहां नहीं पहुंचा है। पर डब टिवरट तौ मैं तुमसे कराऊंगा! और तुमसे पूरी कहानी श्री सुवृंगा!











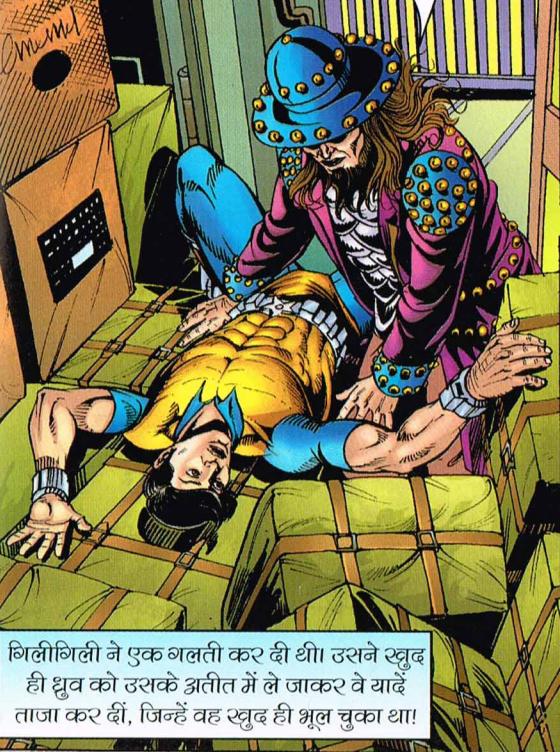


"उसरो कोई खास
फर्क नहीं पड़ेगा, शुवा!
यह रोमांचियों से अंदर
प्रवेश कर जाता है!"

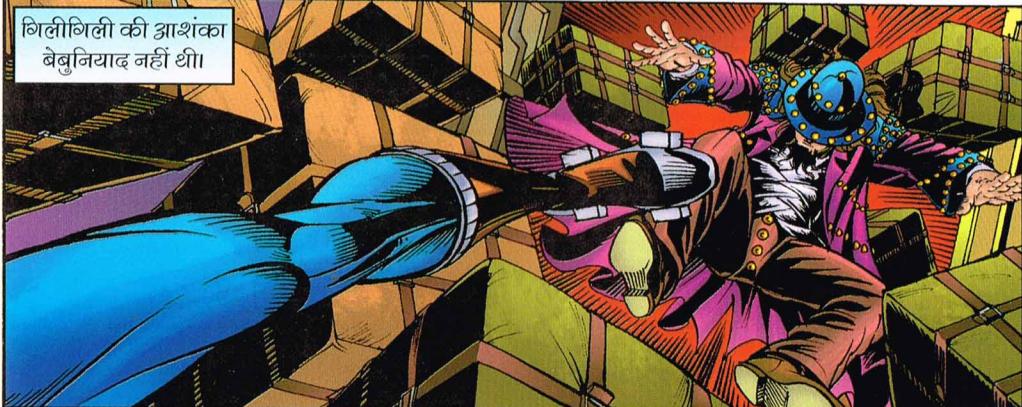
यह तो कुछ बक ही
नहीं रहा है। मैंने नर्व गौरा की मादद
से इसके तेज दिमाग को फिलहाल
काबू में किया हुआ है!

अब धूव के दिमाग को अंदराजा हो गया
था कि उस पर क्या आरार कर रहा था!

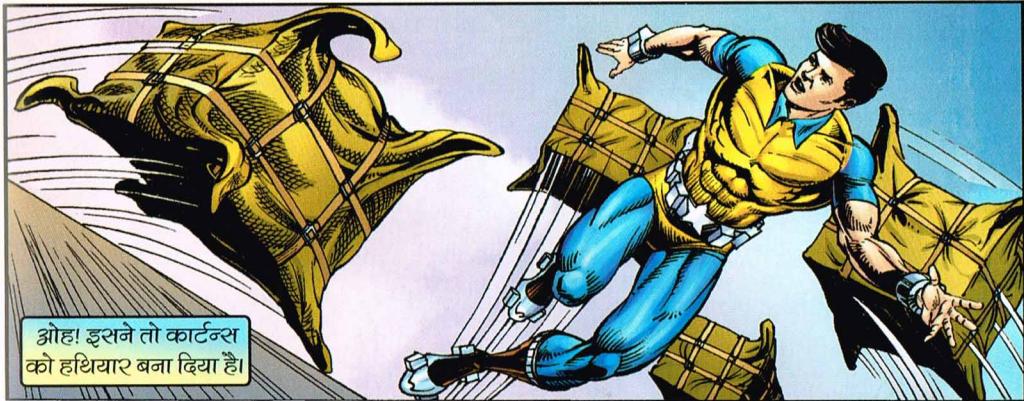
यह लात
मारकर कार्टन्स
गिरा रहा है।

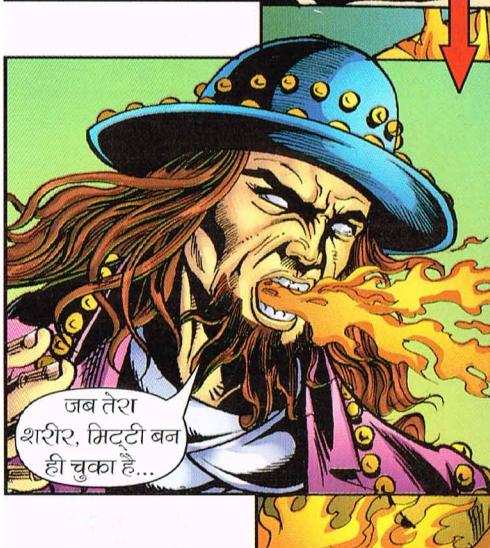


गिलीगिली की आशंका
बेबुनियाद नहीं थी।





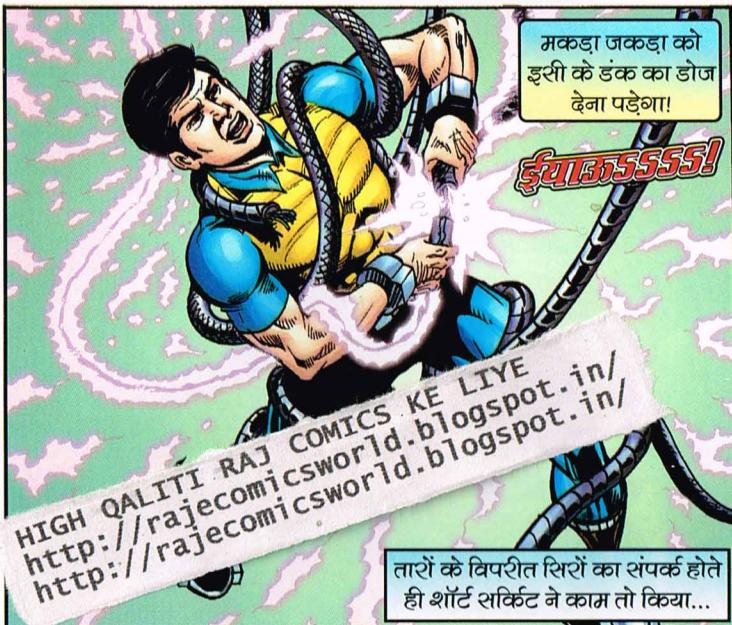


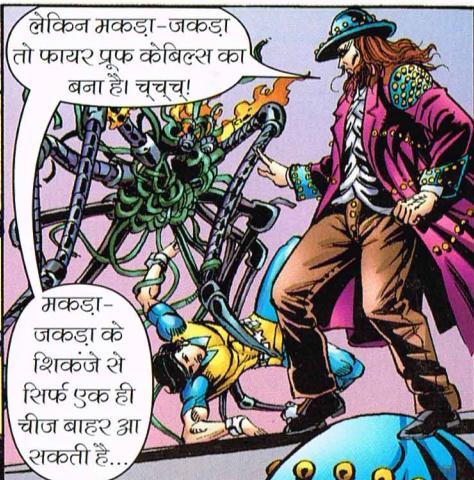






HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>





कौन तौ मुझे पूछना
चाहिए? चंडिका तो पहले
से ही फेमरा है!

श्व...चंडिका! तू...
तुम... यहां कैसे? क्यों? दुरी
हालत में तुम्हें यहां नहीं आवा
चाहिए था!!



कैरी हालत में?
आच्छी भली तो हूँ मैं? तुम
पहले आपनी हालत देखो! इन तारों
से धीर्घासुश्री करते हुए पागल
बग रहे हो?

ओं शब
ठीकठाक? हाल
हज श्वेता?

अरे! तू...
तू...मैं शब जान
चुका हूँ! तू.. तू..
वापस जा।

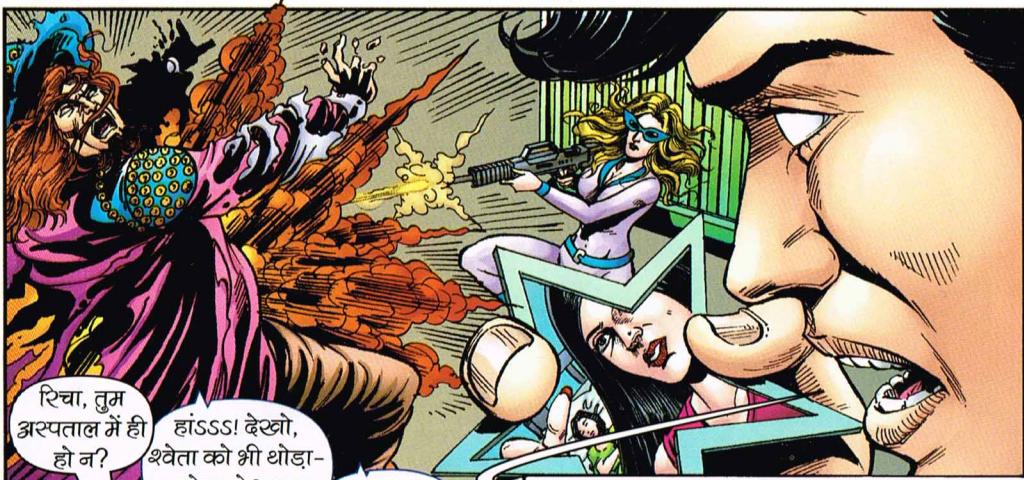
तुम...तुम्हें
क्या लगता है कि
यहां कोई तमाशा
चल रहा है?



चल रहा
है ना मैजिक
शोडा।
आब देखो!
मैं तुम्हें बायब
करके दिखाती।
हु!

तू.. तू पागल हो
गई है क्या?

















पर आसली सवाल यही है कि डाशर खतरा है और वह यहां पर आ धमका तो?

और इस सवाल के आगे बाकी, सारे सवाल बेकार हैं।

जवाब है कि...



ऊफ! इस ड्रोन के रहते मैं आपनी शुप्त जणह पर नहीं जा सकती। और यह नष्ट होने का नाम नहीं ले रहा है।

यह किंवदं लड़खड़ा क्यों रहा है?

हमारी शति जरा सी श्री श्रीमी हुई तो ड्रोन को हम पर निशाना लगाने का मौका मिल जाऊगा...

और आंटी जी के आने से पहले काम पूरा करके वापस आऊँगी!

किंव पर बैहोशी की दवा डाब आसर कर रही थी।



उस धमाके के बैग ने तीनों को जमीन पर ला पटका। उनकी गति थम गई।

और आब वे मिसाइल के
लिए 'बुल्स आई' के समान
थे! निशाने सिथर थे...

...पर निशाना
लगाने वाला ही
हिल गया...

...आंदर तक!

यह सर्करा का ट्रैक गोरिल्ला लगता
है और मैं रिफ उक ट्रैक सर्करा
गोरिल्ला किंव जो जानती हूँ।

अगर यह किंव है तो
क्या वह आधी जाले चेहरे
वाला व्यक्ति जैकब है?

पर यह औरत
कौन?.. ओSSS!

द्रोन पॉवरफुल है।
मुझे ही खींच लिया।

यह ड्रोन तो आब मेरी
तरफ मुड़ रहा है!!

पर वह औरत
कहां गई?

वह रही पर...

यह भाग रही है या...

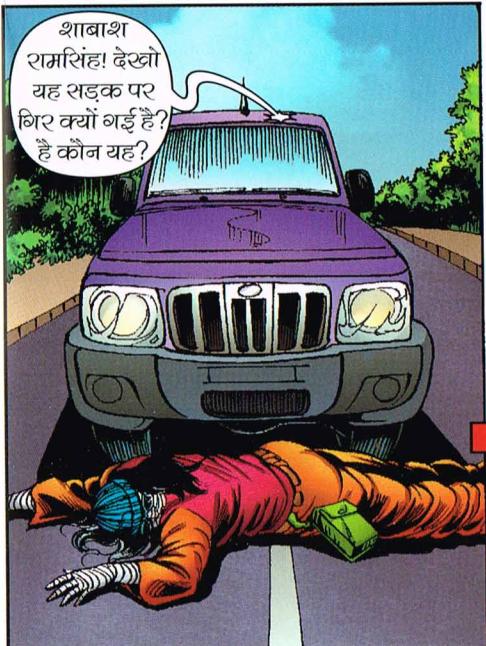


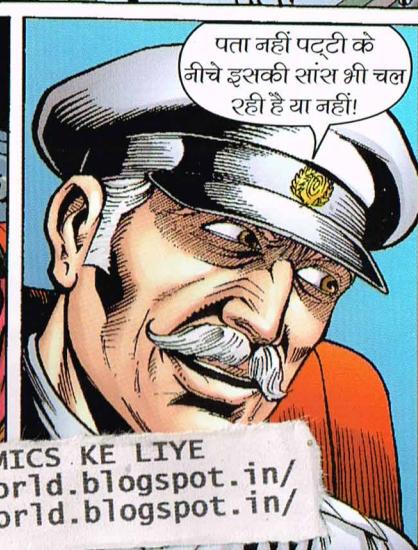




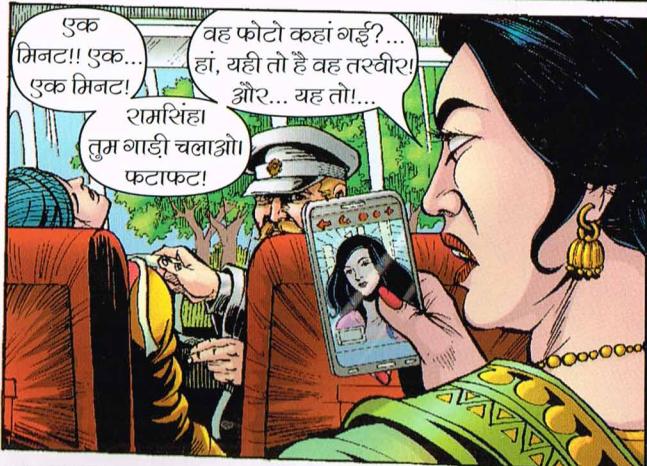




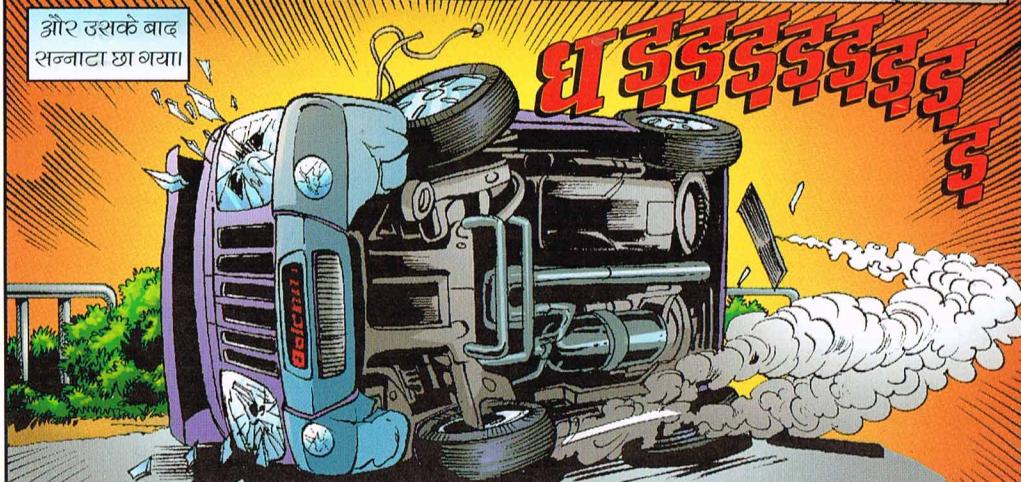




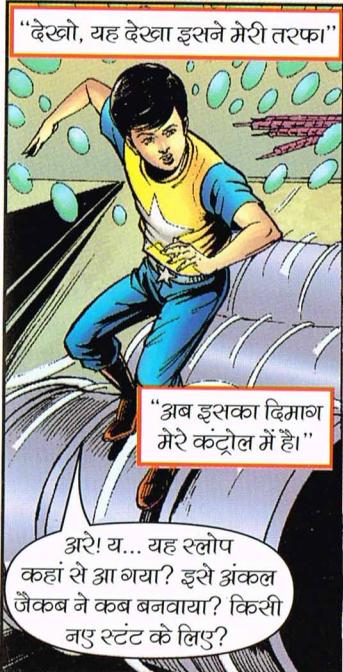
HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>







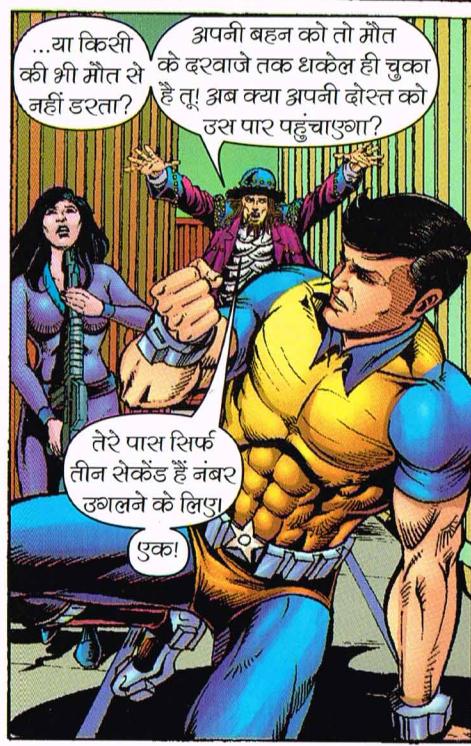


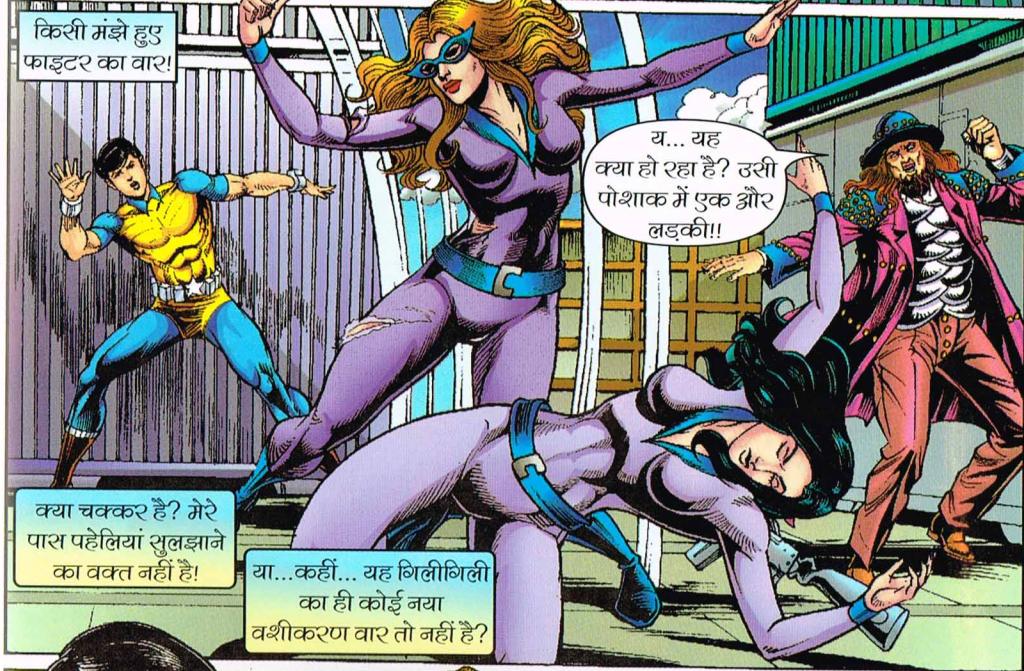






जबकि बेराब्री में गोता लगाता हुआ गिलीगिली धूप के दिमाग में उस खास कंटेनर का नंबर तलाश रहा था-

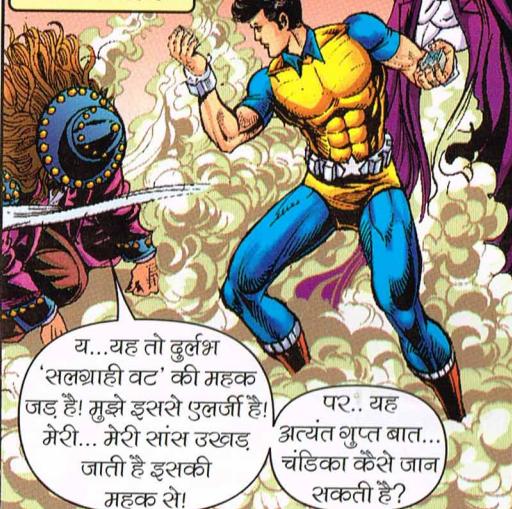












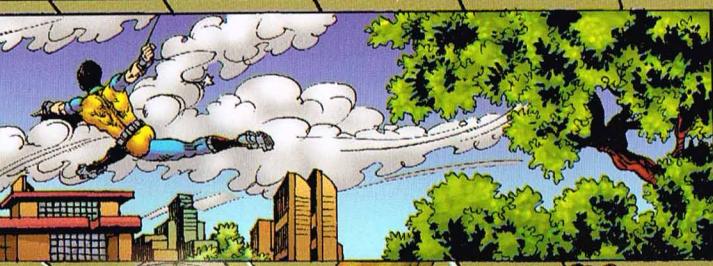








मम्मी का पुकरीडेंट!
यह संयोग नहीं हो
सकता! और फिर...
डॉक्यार्ड पर चंडिका का
आना कैसे संभव है,
जबकि श्वेता आभी बेड से
उठ भी नहीं सकती!



“...तो वह चंडिका बनी
लड़की थी कौन?”

यह..म..मैं
कहां हूँ? और तुम...
तुम कौन हो?

कमाल है तुम
मुझे नहीं पहचानती?
मैं चंडिका हूँ! ध्रुव की दोस्त!
तुम तो जानती हो मुझे।

तू चंडिका
नहीं हो सकती!
अच्छी तरह जानती
हूँ मैं उसे! तू उसका
कोई सेकेंड हैंड
उडिशन है।

सवाल ये है कि तुम
कौन हो? ध्रुव की दोस्त या
दुश्मन से भी बदतर दोस्त!
याद करो!

मैं तो ध्रुव की
मदद करने वाला गर्ज
थी। पर तेरा क्या मकराद
है? तू खुद बता कि
तू कौन है?

जवाब दे
चुकी हूँ मैं!

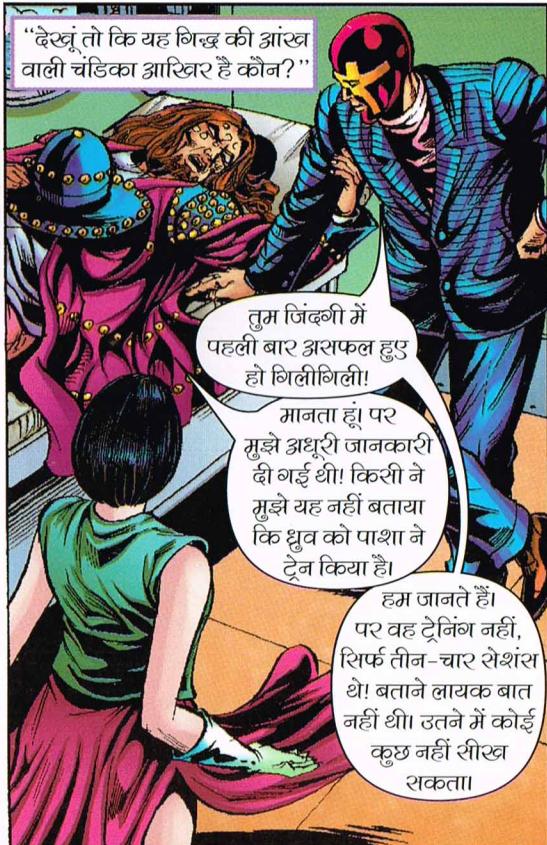
वैसे तुम ध्रुव की
मदद करने ही आई थीं,
ताकि वह हार न जाए!
उसके हारने से तुम्हें
कुछ नुकशान होना
तय था शायद!

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>

तुम गिलीगिली
को पहले से जानती थीं।
उल्क को भी जानती थीं।
और यह भी जानती थीं
कि वे हंटर्स हैं।

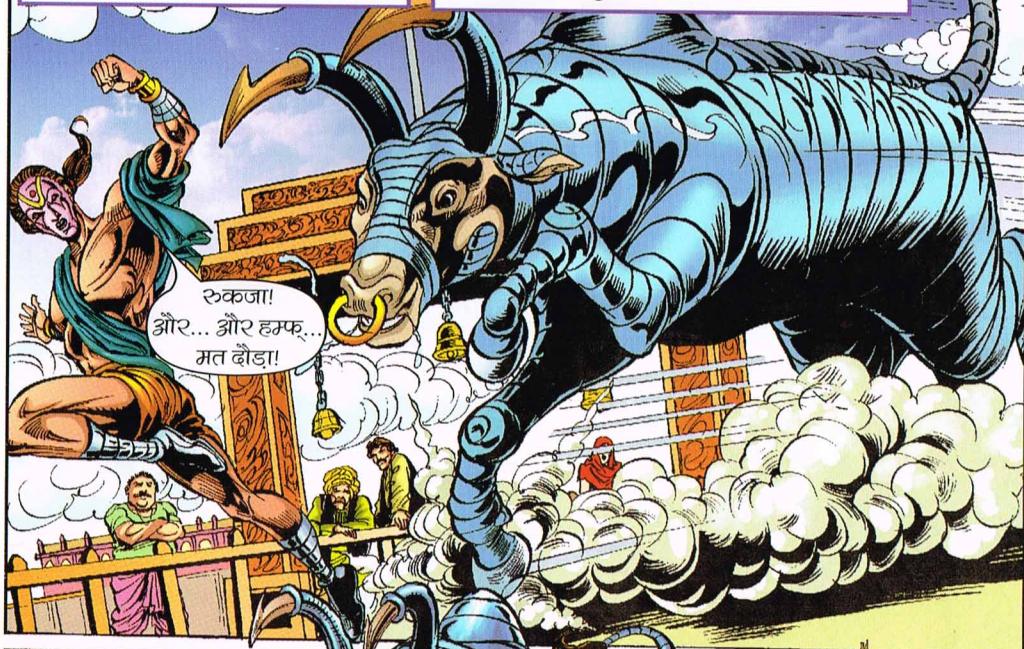
और हंटर्स का
जीतना मतलब तुम्हारा
हारना है। सच है न?

काफी जानती हो
तुम! फिर यह तो जरूर
जानती होंगी...

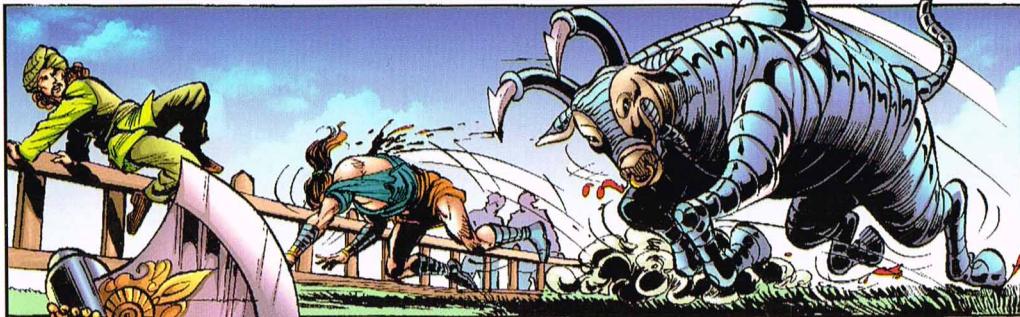
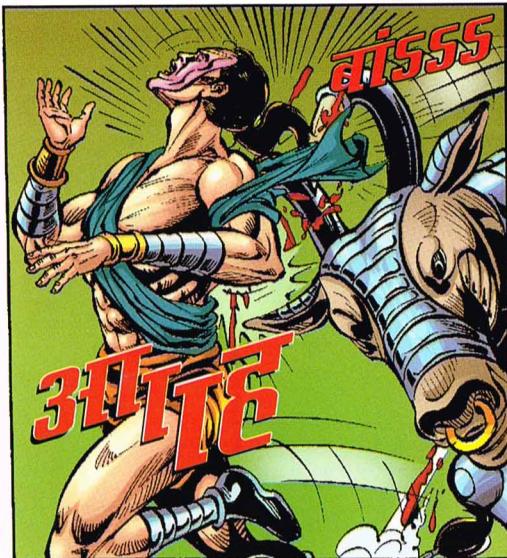
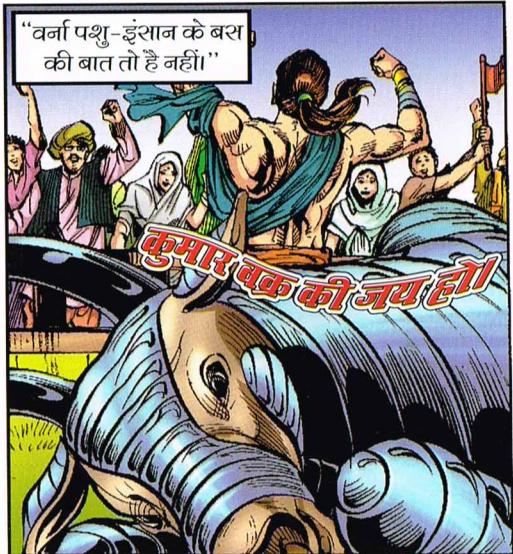


“वह जानती थी कि मुझे दुनिया में शिर्फ़
उक चीज़ से उलझी है। दुर्लभ सलाशी पैड
की जड़ से! वह यह बात कैसे जानती थी? ”

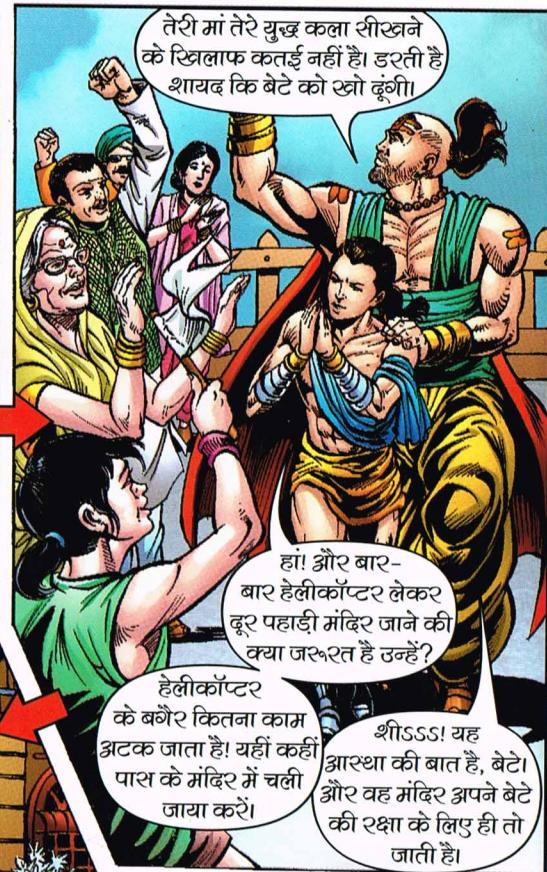
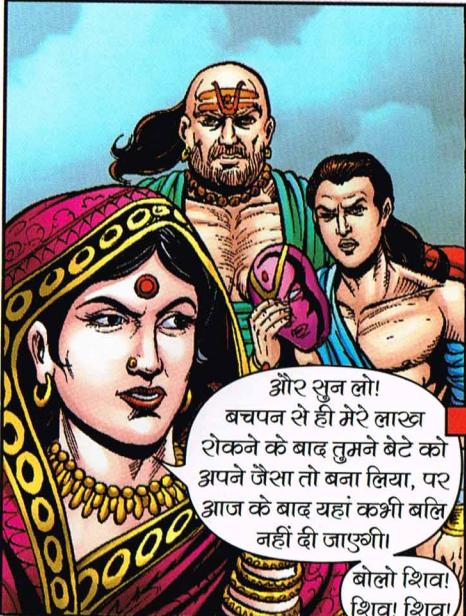
यह बात तू महंत महाराज को जरूर बताऊ
शायद वे तेरी जान बरक्षा दें। धांटे भार में हम वहां पहुंच
जाएंगे। फिर तुझे या वैद्यराज देखेंगे या मौत!

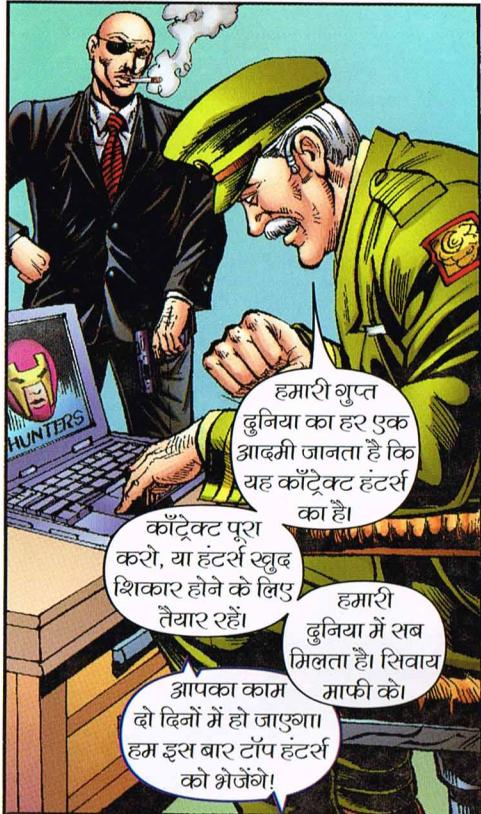












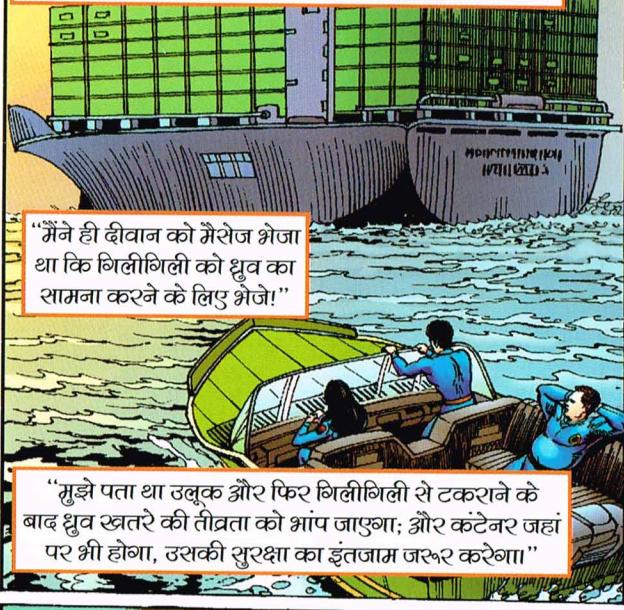
...और मठेश की त्यौहारियां चढ़ने लगीं।



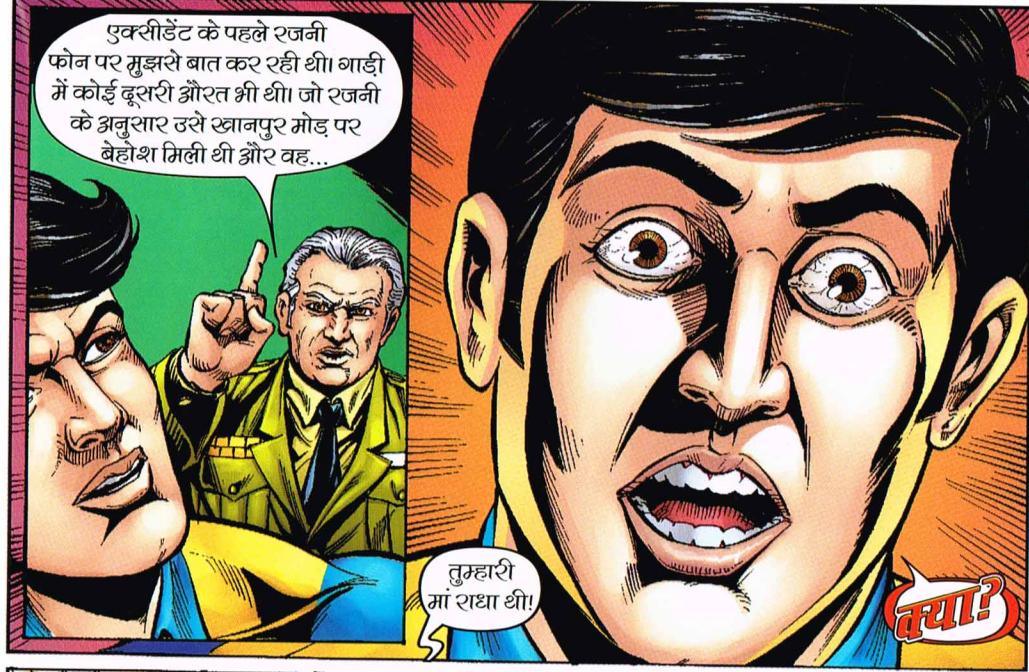
कंटेनर का पता मिल चुका है।



“जबान जवाब नहीं देती, दिमाग देता है! उस पर जरा सा जोर डालो तो ढबे संतरे के रस की तरह सारी जानकारी फुड़ार बनकर बाहर आ जाती है। ध्रुव के दिमाग पर जोर डाला मैंगौ।”

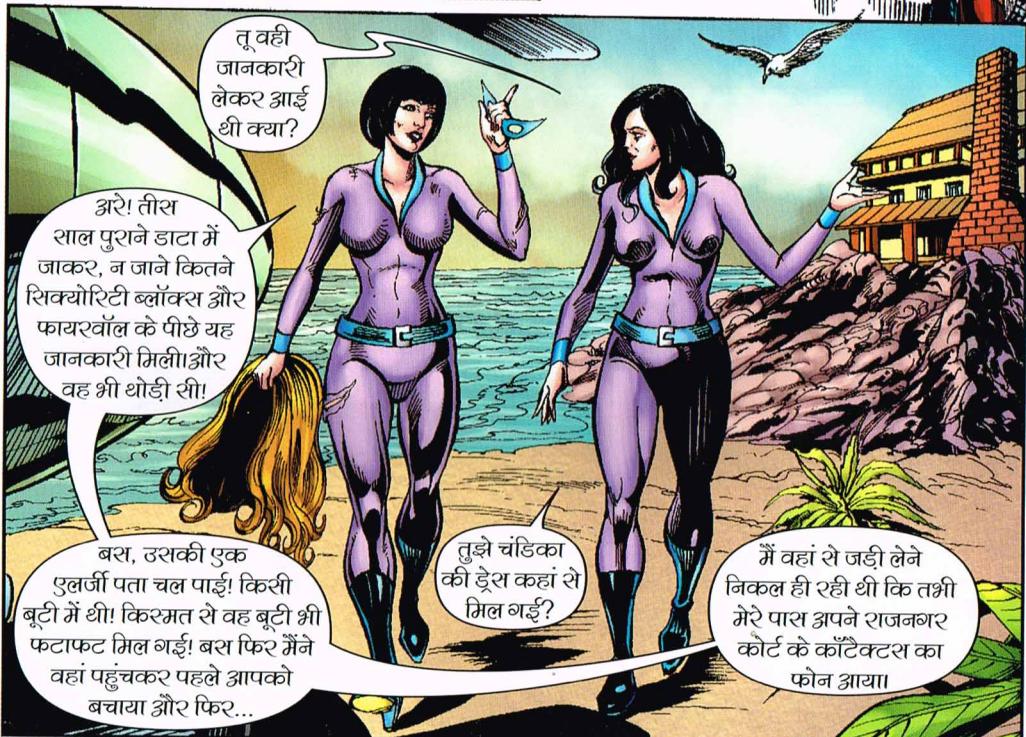














चाइका की तुक
ड्रेस वहां मिली। पर्स बनी हुर्दा।
ड्रेस पता नहीं वहां थी क्यों ओर
छिपा कर क्यों रखी थी? बस, मैं
वही पहन कर आ पहुंची। मजे का
मजा हो गया और मेरा राज
का राज रह गया।



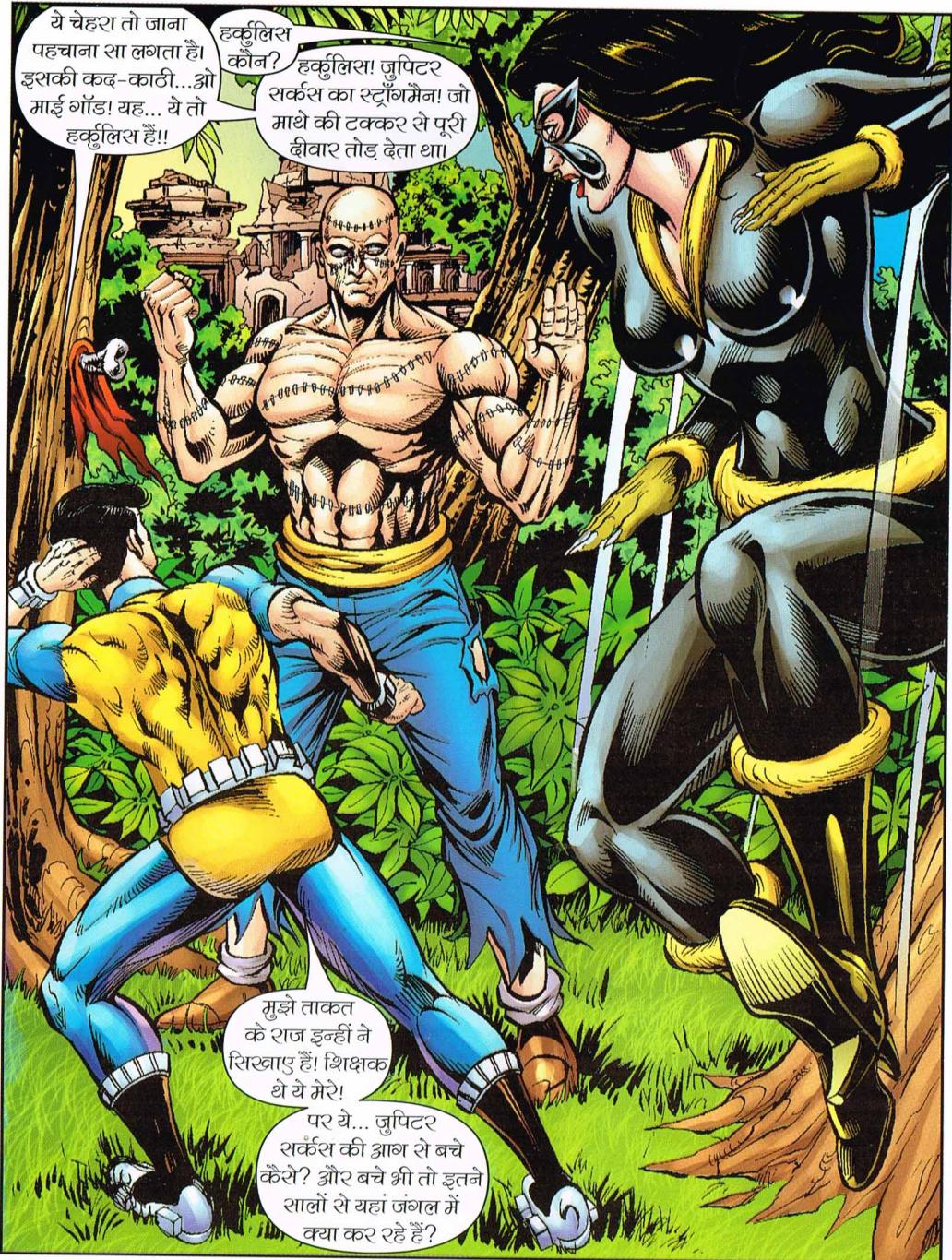
ध्रुव को मैंने एक हिंट के साथ जड़ी की डिबिया तो दे दी थी। बच ही गया होशा।
पर बेचारा बच श्री गया तो जाएगा कहां?...



लेकिन तुम यहां क्यों आई हो? मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत नहीं है! तुम्हें मेरी जरूरत पड़ेगी ही, क्योंकि उस औरत को शिर्फ मैंने देखा है।



HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>







आरे! ये तो अक रहे हैं।
इनके चेहरे पर उकाउक
डर उभार आया है!

ओर उसका
कारण मैं तो नहीं
हो सकती!

ओ मार्ड गॉड!

किंग! इसने मुझे
खुद ही ढूँढ लिया।

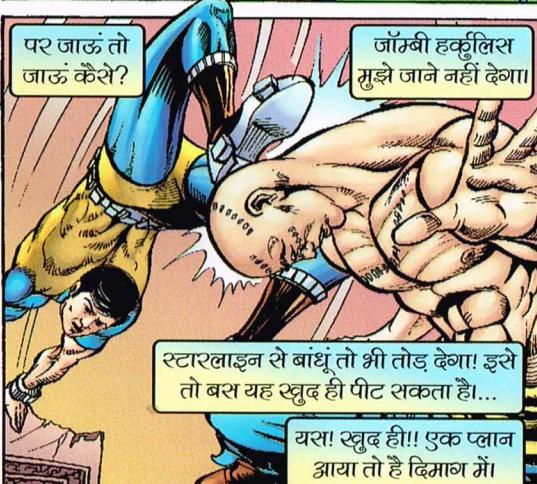
दृष्टि दृष्टि दृष्टि

और हराके उकाप्रेशन्स बता
रहे हैं कि यह मेरे लिए कोई सुश
होने वाली बात नहीं है।

पूरे प्रांगण को हिला डाला था उस शुराहट ने!



और किंग, ब्लौक कैट के साथ कुछ श्री कर सकता है। ओफ़! यह बात मुझे पहले क्यों नहीं सूझी।



अब हकुलिस की शक्ति
तो उसके पास थी।

लेकिन उस शक्ति को बनाउ
रखने के लिए रंतुलन नहीं था।

और ड्राब ध्रुव का रास्ता रोक
पाना भी उसके वश में नहीं था।

ध्रुव यही समय पर ब्लैक
कैट तक पहुंचा था।

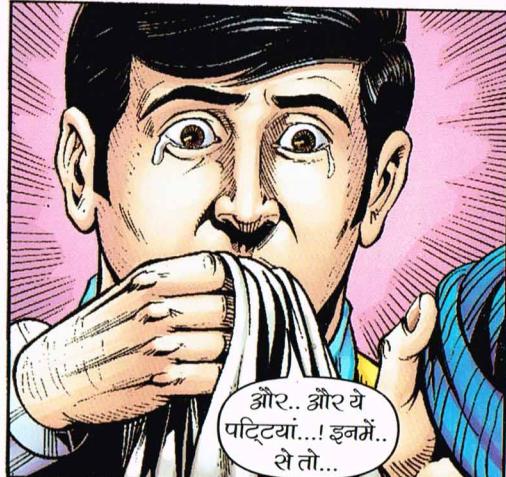
द्वारा ड्रा
मत, ब्लैक कैट।
मैं निपट लूँगा
इसाये।

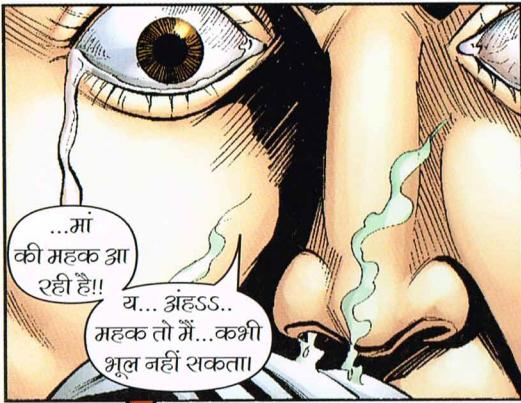
संभलकर, ध्रुव!
इसकी पुतलियां फैली
हुई हैं। इसके पास से दवा की
महक आ रही है। इसे कोई
तैज नहीं का झंजेरकशन
दिया गया है।

यह तुम्हें नहीं
पहचानेगा।

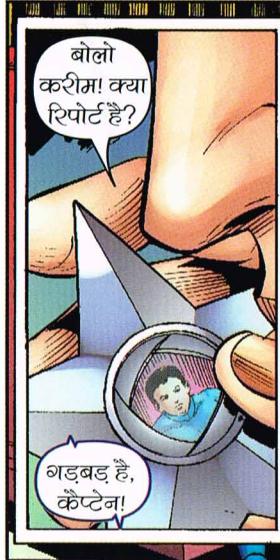
HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>



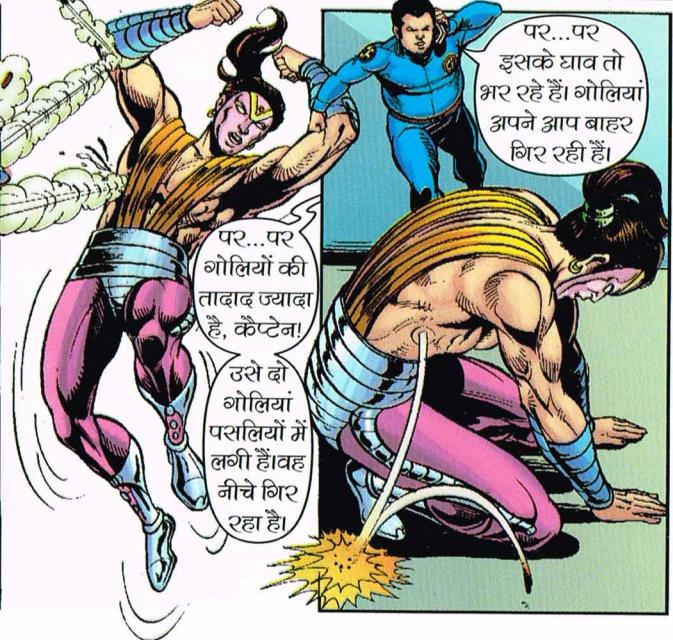
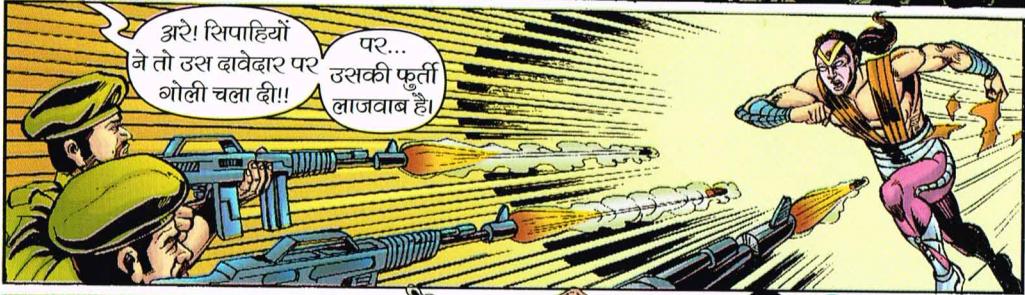




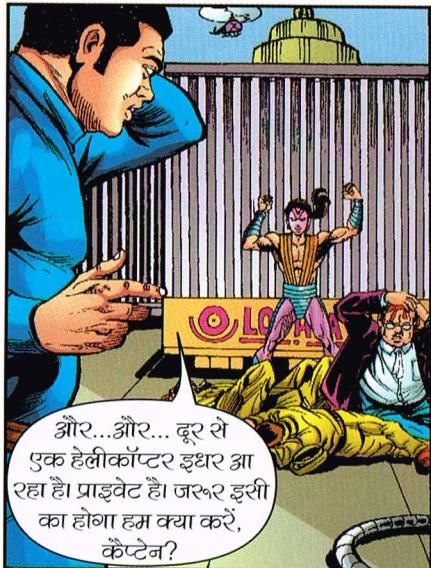




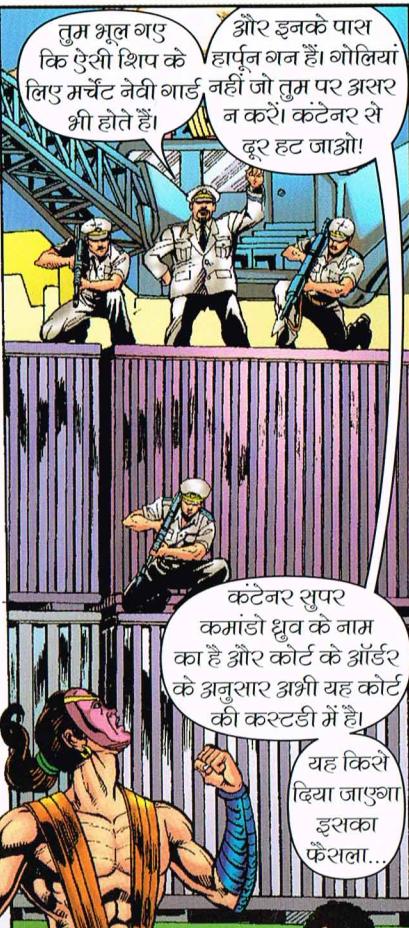
राज कॉमिक्स

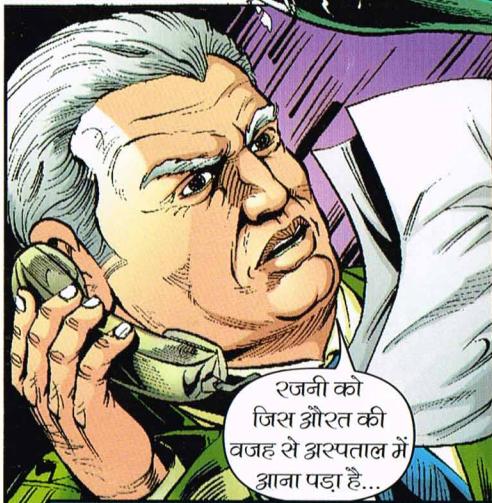
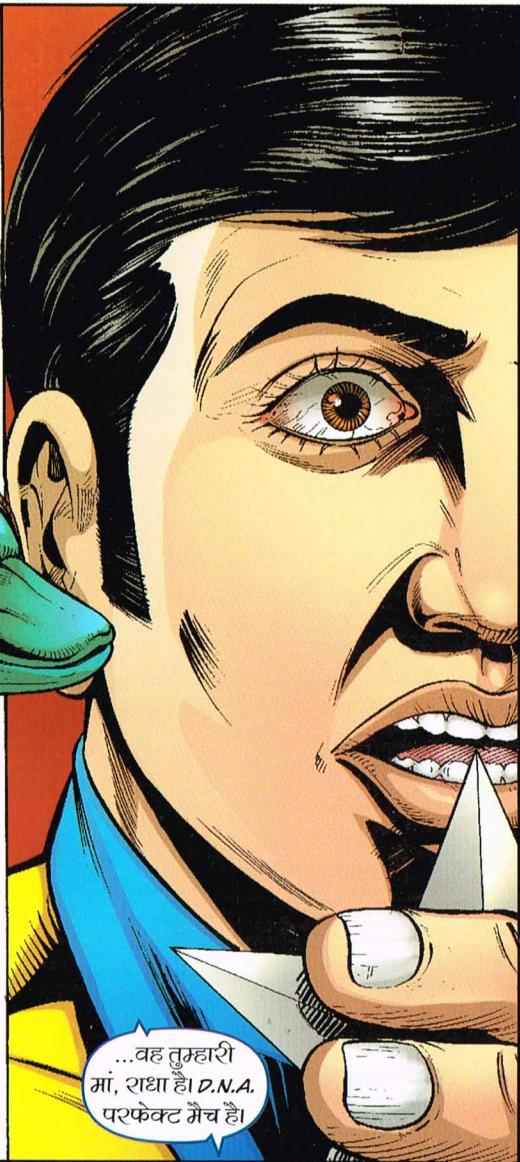
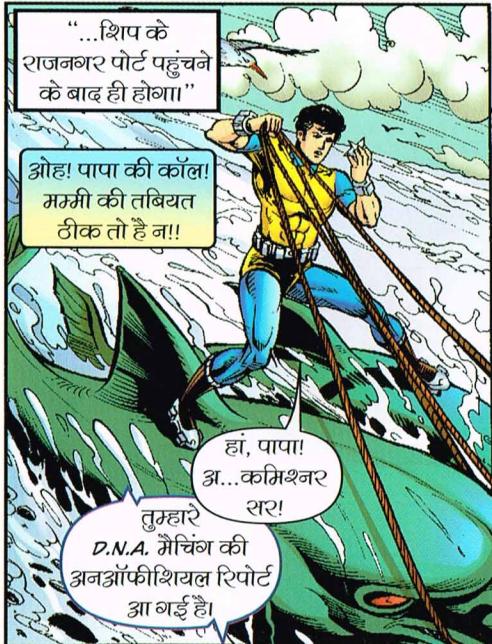






तुम्हारे पास मोटर बोट तो क्या, लकड़ी की नाव तक नहीं है।





आपनी जिंदगी की लड़ाई के लिए जा रहे धूप को हर खबर और कमज़ोर बनाती जा रही है। कहां है राधा? कौन है वक्र और वह क्या राज है जो जैकब के सीने में ढकन है? क्या है धूप के जीवन की सच्चाई बताउंगी उसकी यादें, जो जिंदगी और मौत के बीच में उस क्षेत्र में बरा रही हैं, जिसे कहते हैं...

नो मैन्यूल



धड़कने बंद हो चुकी हैं। एकत्र संचार थमने
लगा है! अब शुरू होगा जिंदगी से मौत तक का
सफर और इसके लिए हम हँसान पार करता हैं।
एक रहस्यमय क्षेत्र, जिसमें यहकी हैं उस इंसान
की सबसे पुरानी यादें, उसका बालचरित!

यह इलाका न जिंदगी का होता है
और न मौत का! यह कहलाता है...

सुपर कमाड़ो
ध्रुव

By.
अनुपम
कृष्ण

लो मूला लॉट

बाज़ुरिन

पर कहते हैं कोई विरला इस इलाके से लौट भी आता है!...

याज कॉमिक्स में ध्रुव की 'ओरीजिन रीरीज' का एक 'थूट्टन' शाहकार!